Patrika (Indore), 27th November 2023, Page - 12

आइआइटी-इंदौर में हुई अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में विशेषज्ञों ने दी जानकारी

एयरोस्पेस और ऊर्जा क्षेत्रों में अहम होगी मिश्र धातु

पत्रिका न्यूज नेटवर्क
patrika.com

इंदौर. तीन से चार धातुओं से मिलकर बनी मिश्र धातु (एचईए) ऐसा नवीन पदार्थ है, जो सम-दाब अनुपात में कई विशेषताएं रखता है। इन मिश्र धातुओं का उनकी असाधारण ताकत, प्रतिरोधकता और उच्च तापमान स्थिरता के कारण एयरोस्पेस, ऑटोमोटिव और ऊर्जा क्षेत्रों में उपयोग किया जा सकता है। ये कम वजन व मजबूत होने से महत्वपूर्ण है।

यह बात आइआइटी-इंदौर में आयोजित अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी में वैज्ञानिकों व वक्ताओं ने कही। आइआइटी ने मिश्र धातु के भौतिक धातुकर्म क्षेत्र में नवीनतम प्रगति का पता लगाने, चुनौतियों का समाधान व अवसरों की खोज को लेकर संगोष्ठी का आयोजन किया था। मटेरियल एडवांटेज स्टूडेंट चैप्टर ने पदार्थ विज्ञान विभाग में कार्यक्रम किया। दो सत्र में छह वक्ता शामिल हुए। वक्ताओं ने बताया कि एचईए के बहुमुखी गुण को जैव चिकित्सा प्रत्यारोपण के क्षेत्र में भी उपयोग किया जा सकता है। इसके अतिरिक्त कोटिंग्स और संरचनात्मक पदार्थों में उनका उपयोग उस सामग्री की क्षमता बढ़ाता है। वक्ताओं में पोलैंड के धातुकर्म एवं पदार्थ विज्ञान संस्थान के प्रोफेसर डब्ल्यू माजियार्ज, प्रोफेसर ए. वोजिक तथा प्रोफेसर आर. चुलिस्ट, मैक्स प्लैंक इंस्टीट्यूट फॉर ईसेनफोर्सचुंग जीएमबीएच जर्मनी के डॉ. अनुराग बाजपेयी, आइआइटी-इंदौर के डॉ. केवी वामसी और अजौ विवि दक्षिण कोरिया के डॉ. शीतल कुमार देवांगन शामिल थे। इंदौर से डॉ. मृगेंद्र दुबे, डॉ. सुमंत समल, डॉ. खुशबू देवी, डॉ. रंजीत कुमार, डॉ. अजय कुमार कुशवाहा, डॉ. विनोद कुमार ने भी सत्र में भाग लिया।